श्री नरेन्द्र मोदी
मानन्नीय प्रधानमंत्री

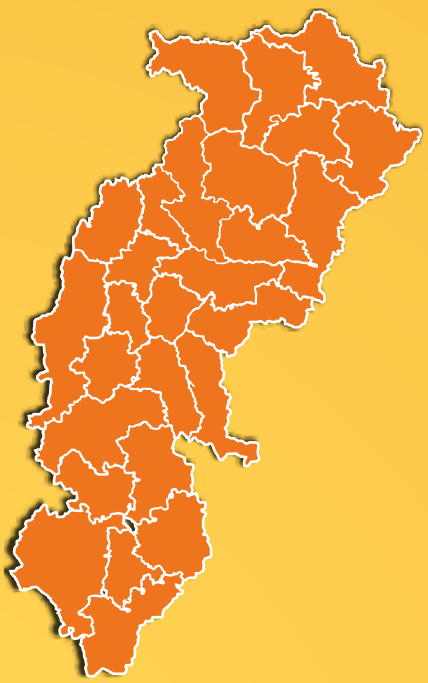

नई रेल

नया छत्तीसगढ़

2014 से प्रगति पथ की नई यात्रा

सरगुजा संसदीय क्षेत्र

प्रस्तावना

श्री सुनील सिंह सोइन
महाप्रबंधक
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भारतीय रेलवे हमारे राष्ट्र की जीवन रेखा है। इसने देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में सदैव से उत्प्रेरक का काम किया है। समान रूप से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे अपनी स्थापना के बाद से ही छत्तीसगढ़ राज्य की सामाजिक–आर्थिक प्रगति में सहयोगी की भूमिका निभाती रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की स्थापना 1 अप्रैल, 2003 को हुई थी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का 46% रेल नेटवर्क छत्तीसगढ़ में अवस्थित है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के साथ–साथ पूर्व तट रेलवे भी छत्तीसगढ़ को सेवाएं प्रदान करती है। माल ढुलाई में अग्रणी ज़ोन होने के कारण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को निरंतर गति प्रदान करती रही है। खनिज संपन्न राज्य होने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क के विस्तार की अत्याधिक आवश्यकता है। इस आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए रेलवे एवं छत्तीसगढ़ सरकार आपसी सहयोग के साथ काम कर रहे है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार एवं रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से कई परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में, विगत 4 वर्षों में रेल परियोजनाओं से संबन्धित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक तरफ रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार लौह संपन्न परंतु दुर्गम रावघाट तक किया जा रहा है तो दूसरी ओर दो महत्वपूर्ण कारीडोर के द्वारा पूर्व मध्य छत्तीसगढ़ के कोयला संपन्न मांड क्षेत्र तक रेल परिवहन सुविधा पहुंचाई जा रही है। इसके अतिरिक्त दो नई लाइनों, खरसिया–बलौदाबाजार–नया रायपुर–दुर्ग तथा कटघोरा–कवर्धा–डोंगरगढ़ के लिए सैद्धांतिक सहमति रेलवे बोर्ड द्वारा प्रदान कर दी गई है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के पश्चात, छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों तक रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा तथा राज्य के अनेक अनछुए क्षेत्रों में विकास के नवीन द्वार खुलेंगे। इस ब्रोशर का लक्ष्य छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हालिया, अतीत एवं वर्तमान की परियोजनाओं एवं कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों को सूचीबद्ध करना है।

हमारे कर्मचारियों के अथक प्रयास एवं यात्रियों के सहयोग के कारण क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा कराये गये थर्ड पार्टी आडिट के आधार पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को स्वच्छतम ज़ोन घोषित किया गया है। हम सभी छत्तीसगढ़ में रेलवे के और अधिक विकास के लिये कृत संकल्प है।

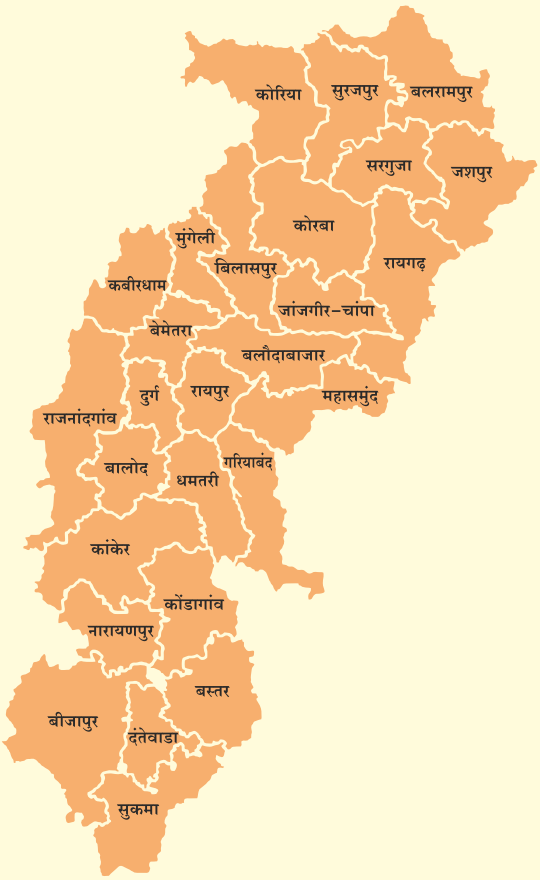

सरगुजा संसदीय क्षेत्र

क. विधान सभा क्षेत्रः

प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लूंड्रा, अम्बिकापुर एवं सीतापुर।

ख. पिछले 4 वर्षों में पूरे किये गए कार्यः

ख1. आधारभूत संरचना के विकास कार्य

- ₹ 13 करोड़ की लागत से मनेन्द्रगढ़ एवं पाराडोल के बीच ब्रीज नंबर 99 का उन्नयन।
- ₹ 2 करोड़ की लागत से करंजी एवं विश्रामपुर के मध्य लेवल क्रासिंग नंबर AB-68 पर रोड ओवरब्रिज की सुविधा।
- कटोरा एवं सूरजपुर के मध्य लेवल क्रासिंग नंबर AB-60 एवं AB-59 पर रोड अंडरब्रिज की सुविधा (लागत ₹ 2 करोड़ प्रत्येक)।

ख2. यात्री सुविधाएं

- कटोरा स्टेशन पर उद्घोषणा प्रणाली की सुविधा।
- ₹ 9 लाख की लागत से करंजी, कमालपुरग्राम एवं विश्रामपुर स्टेशनों पर लाइट वेट प्लेटफार्म शेल्टरों की सुविधा।
- अंबिकापुर एवं मनेन्द्रगढ़ स्टेशनों पर बेबी फीडिंग कार्नर की सुविधा।
- विश्रामपुर स्टेशन में ट्रेन एट ए ग्लांस की सुविधा।
- अंबिकापुर स्टेशन में दिव्यांगो के लिए टायलेट की सुविधा।
- ₹ 31 लाख की लागत से विश्रामपुर स्टेशन में प्लेटफार्म नंबर 1 की ऊंचाई का कार्य पूर्ण।
- ₹ 56 लाख की लागत से विश्रामपुर, शिवप्रसाद नगर, सूरजपुर रोड, कमालपुरग्राम, करंजी एवं अंबिकापुर स्टेशनों में प्लेटफार्म शेल्टरों की सुविधा।

ग. अन्य कार्यः

- 11265/11266 अंबिकापुर–जबलपुर–अंबिकापुर एक्सप्रेस के फेरो में बढ़ोत्तरी।

घ. कार्य प्रगति परः

- ₹ 114 करोड़ की लागत से चिरमिरी एवं नागपुर हाल्ट के मध्य 11 किलोमीटर नई रेल लाइन का निर्माण।
- ₹ 115 लाख की लागत से करंजी एवं सूरजपुर रोड स्टेशन में प्लेटफार्म का विस्तार एवं ऊंचाई में वृद्धि।
- ₹ 1 करोड़ की लागत से विश्रामपुर एवं अंबिकापुर स्टेशनों में प्लेटफार्मो की लम्बाई में वृद्धि।
- ₹ 35 लाख की लागत से अंबिकापुर स्टेशन में वाटर हाइड्रेन्ट का निर्माण।
- ₹ 4 लाख की लागत से अंबिकापुर स्टेशन में 50 इंच का करेंट बुकिंग स्टेटस डिस्प्ले का प्रावधान।
- अंबिकापुर स्टेशन में दिव्यांगो के लिए साइनेज की सुविधा का प्रावधान।
- अंबिकापुर स्टेशन में वाटर हाइड्रेन्ट का विस्तार।
- ₹ 1,137 करोड़ की लागत से छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के मध्य बरवाडीह एवं चिरमिरी के बीच 182 किलोमीटर नई रेल लाइन की संयुक्त परियोजना।

कुछ महत्वपूर्ण फोटोग्राफ

अंबिकापुर रेलवे स्टेशन

तत्कालीन रेलमंत्री द्वारा रेल भवन नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अंबिकापुर–अनुपपुर मेमू का शुभारंभ

अंबिकापुर स्टेशन में प्लेटफार्म शेल्टर उपलब्ध कराया गया है

महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा अंबिकापुर स्टेशन पर
स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया गया